महामहिम श्री ई.एस.एल नरसिम्हन, राज्यपाल, छत्तीसगढ़ द्वारा अचानकमार अभ्यारण्य का भ्रमण

दिनांक 29.03.2007 को महामहिम राज्यपाल श्री ई. एस. एल नरसिम्हन, अचानकमार वन्यप्राणी अभ्यारण्य, बिलासपुर के अवलोकन हेतु वन विश्राम गृह अचानकमार पहुंचे। महामहिम का स्वागत श्री कौशलेन्द्र सिंह, वन संरक्षक, बिलासपुर, श्री एस. एस. डी. बडगैयूया, वनमण्डलाधिकारी, बिलासपुर, एवं श्री ओ. पी यादव, संचालक, अचानकमार बायोस्फियर रिजर्व, बिलासपुर द्वारा किया गया। वन सुरक्षा समिति अचानकमार के सदस्यों द्वारा लोक नृत्य प्रस्तुत कर महामहिम राज्यपाल का अभिनन्दन किया गया, तदोपरांत महामहिम राज्यपाल अचानकमार अभ्यारण्य के वनों के भ्रमण हेतु रवाना हुए। उनके साथ भ्रमण के दौरान वन संरक्षक, बिलासपुर एवं स्थानीय अधिकारी साथ थे। महामहिम राज्यपाल को भ्रमण के दौरान कुछ-कुछ अंतराल पर गौर के 3 समूह देखने को मिले। महामहिम राज्यपाल उस समय रोमांचित हो उठे जब गौर के एक बडे समूह ने उनके काफिले को रोक दिया। समूह में शामिल सभी 12 गौर द्वारा सड़क पार करने के उपरांत ही महामहिम का काफिला आगे बढ़ा। वन भ्रमण में आगे रास्ते में जंगली सुअर, मोर, जंगली कुत्ते भी दिखे। जंगली कुत्तों का समूह किए गए शिकार के साथ दिखाई दिया। सरईपानी में महामहिम का वाहन जब खड़ा था, तब उन्होंने अलग तरह की विशेष गंध महसूस होने पर वन संरक्षक, बिलासपुर से कहा कि लगता है आसपास शेर है। यह संयोग नही था कि महामहिम के काफिले के अंतिम वाहन के सदस्यों द्वारा शेर की दहाड़ सुनी गई। वन भ्रमण के अंतिम चरण में चीतल का एक बड़ा झुंड दिखाई दिया। अचानकमार पहुंचकर कुछ समय रूकने के पश्चात महामहिम ने लमनी के लिए प्रस्थान किया एवं लमनी विश्राम गृह में रात्रि विश्राम किया।

दिनांक 30 मार्च 2007 को महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक लमनी के समीप वन भ्रमण का आनन्द लिया गया। झंडीडोंगरी वाचटावर से अचानकमार अभ्यारण्य के विहंगम दृश्य का अवलोकन करने के उपरांत महामहिम महोदय लमनी लौटे एवं तदोपरांत अमरकंटक के लिए प्रस्थान किया। महामहिम द्वारा अपने वन भ्रमण के समय लमनी वन विश्राम गृह के विजिटर्स बुक में निम्न टीप अंकित की :-

" A most happy visit and a memorable stay in the Forest house. A home away from home and certainly very refreshing. A hospitality and courtesy of a class of its own. Many thanks."

वन संरक्षक, बिलासपुर द्वारा वन परिवार की ओर से महामहिम राज्यपाल महोदय को अचानकमार अभ्यारण्य में "जल प्रपात रक्षा साख एवं टंगलीपठार" के फोटो स्मृति चिन्ह के रूप में भेट किए गए।